BSES

तब दिल्ली में बिजली की मांग थी 27 मेगावॉट, आज है 4337 मेगावॉट

राजधानी में बिजली की प्रति व्यक्ति सालाना खपत 1265 यूनिट, राष्ट्रीय औसत 606 यूनिट

नई दिल्ली: 30 जून, 2009। दिल्ली ने आज बिजली की मांग का एक नया रेकॉर्ड बनाया। राजधानी में आज शाम 4 बजे बिजली की अधिकतम मांग 4337 मेगावॉट दर्ज की गई। और, बीएसईएस इलाके में मांग रही 2870 मेगावॉट।

उल्लेखनीय है कि मंगलवार को दिल्ली, बिजली की अधिकतम खपत करने वाला उत्तर भारत का दूसरा राज्य बन गई। आज उत्तर भारत में बिजली की सर्वाधिक खपत उत्तर प्रदेश में दर्ज की गई, जबकि उस के बाद दिल्ली का स्थान रहा। उल्लेखनीय है कि बीएसईएस इलाके में, पिछले साल जून के मुकाबले इस साल जून में बिजली की मांग में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो चुकी है।

दिल्ली में प्रति व्यक्ति बिजली की औसत सालाना खपत देश में सबसे ज्यादा 1265 यूनिट है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह खपत सालाना 606 यूनिट है।

पिछले तीन दिनों के भीतर दिल्ली में बिजली की मांग में 3.8 प्रतिशत का इजाफा हो चुका है (बॉक्स देखें):

June 24	4177 MW
June 27	4231 MW
June 29	4261 MW
June 30	4337 MW

इसके अलावा, यदि 1951 से अब तक की बात करें, तो 1951 में दिल्ली में बिजली की सर्वाधिक मांग सिर्फ 27 मेगावॉट थी, जबकि आज, 30 जून, 2009 को यहां 4337 मेगावॉट मांग दर्ज की गई (बॉक्स देखें):

साल	पीक डिमांड (मेगावॉट)
1951	27
1961	86.6
1971	259.6
1981	563.8
2001	2831
2002	2879
2003	3097
2007	4030
2009 (June 30)	4337

बीएसईएस इलाके में बिजली की भारी मांग के बावजूद, बेहतरीन नेटवर्क की बदौलत सफलतापूर्वक आपूर्ति की गई। कंपनी ने अतिरिक्त बिजली की व्यवस्था की है और चाहे किसी भी कीमत पर मिले, बीएसईएस बिजली खरीद रही है।

बीएसईएस के चेयरमैन श्री ललित जालान का कहना है– हमारा नेटवर्क बिजली की बढ़ती डिमांड के हिसाब से आपूर्ति करने के लिए डिजाइन किया गया है। हम ने अपने नेटवर्क के आधुनिकरण व उन्नतिकरण पर 3790 करोड़ रूपये (3970 करोड़– बीआरपीएल,1520 करोड़– बीवाईपीएल) खर्च किए हैं। इसके अलावा, बीएसईएस अगले दो साल में अपने सिस्टम के आधुनिकीकरण पर और, 1325 करोड़ रूपये (825 करोड़ – बीआरपीएल, 500 करोड़ – बीवाईपीएल) खर्च करने जा रही है।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।